

पत्रशाक पुं. (तत्.) पत्तों का साग, ऐसा पौधा जिसके पत्रों का साग बनाकर खाया जाता है यथा- पालक, चौलाई, सरसों, मेथी।

पत्रांक पुं. (तत्.) 1. पल्लव या पत्र का मध्यभाग, पत्तों की गोद 2. किसी पत्र में संदर्भ के लिए दी जाने वाली पत्र संख्या।

पत्रांगा पुं. (तत्.) 1. लाल चंदन 2. एक विशेष लकड़ी, पतंग, बक्कम 3. भोजपत्र 4. कमल गट्टा, कमलाक्ष।

पत्रांगुलि स्त्री. (तत्.) 1. पत्रभंग, पत्ररचना 2. केसर या चंदन आदि के लेप से ललाट, मुख या कंठ आदि पर बनाए जाने वाले चिह्न या अलंकरण।

पत्रांजन पुं. (तत्.) 1. स्याही 2. काजल, अंजन।

पत्रा पुं. (तत्.) 1. तिथिपत्र, जंत्री, पंचांग 2. पन्ना, वर्क, पृष्ठ।

पत्राख्य पुं. (तत्.) 1. तेजपत्र, तेजपात, तेजपत्ता 2. तालीशपत्र।

पत्राचार पुं. (तत्.) पत्रव्यवहार, पत्र लिखने, भेजने और मँगवाने का सिलसिला।

पत्राढ्य पुं. (तत्.) 1. पीपला मूल 2. पर्वततृण 3. तृणाख्य 4. पतंग, बक्कम 5. नरसल 6. तालीशपत्र।

पत्रान्य पुं. (तत्.) 1. पतंग, बक्कम 2. लाल रंग का चंद ।

पत्रालय पुं. (तत्.) डाकखाना, डाकघर।

पत्रालु पुं. (तत्.) 1. कासालु 2. इक्षु दर्भ।

पत्रावलि स्त्री. (तत्.) 1. पत्तों की पंक्ति या कतार 2. बंदनवार, सजावट अथवा पूजापाठ के लिए बनाई जाने वाली फूल-पत्तियाँ, पत्रलता 3. गेरु 4. पत्ररचना, नारियों द्वारा मुख पर सुगंधित द्रव्यों से सौंदर्य वृद्धि हेतु रची जाने वाली शोभा या सुंदरता 5. दुर्गापूजन में प्रयुक्त एक द्रव्य जो पीपल की नई कोपलों तथा मधु आदि से तैयार किया जाता है।

पत्राहार पुं. (तत्.) 1. पत्तियों का आहार 2. केवल पत्तियों का आहार करके रहना।

पत्रिका स्त्री. (तत्.) 1. चिट्ठी, खत, पत्र 2. संदेश लिखा जाने वाला कागज 3. कोई छोटा लेख यथा- लग्न पत्रिका, जन्मपत्रिका 4. नियमित रूप से निकलने वाली पुस्तिका, जिसमें राजनीति, साहित्य, ज्ञान-विज्ञान आदि से सम्बद्ध सामग्री प्रकाशित की जाती है यथा- भाषा, साहित्य अमृत, नागरी पत्रिका, अनुवाद आदि 5. कान का एक आभूषण 6. एक प्रकार का कपूर 7. पत्ती।

पत्रिकाख्य पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का कपूर, पानकपूर।

पत्रिकाय पुं. (तत्.) 1. पैदल सेना 2. पैदल चलने वाला सिपाही।

पत्रिणी स्त्री. (तत्.) 1. बड़ा पत्ता 2. पल्लव, कोंपल, अँखुवा।

पत्री पुं. (तत्.) 1. चिट्ठी, खत, अँखुवा 2. छोटे आकार का लेख या छोटा लेख; यथा जन्मपत्री, लग्नपत्री 3. दोना 4. वि. पंखदार, पत्तियों या पत्रों वाला, जिसमें पत्ते हों यथा कमल, गुलाब 5. रथवाला 6. ताड़ 7. खैर का पेड़ 8. तेजपत्र 9. बाण, तीर 10. पक्षी, चिड़िया, बाज 11. पर्वत, पहाड़ 12. हाथ में पहनने का एक गहना, जहाँगीरी आभूषण।

पत्रोपस्कर पुं. (तत्.) कसौदी, कासमर्द।

पत्रोर्ण पुं. (तत्.) 1. रेशमी वस्त्र 2. सोनापाठा।

पत्रोल्लास पुं. (तत्.) अँखुवा, अंकुर, कोंपल।

पत्सल पुं. (तत्.) पंथ, मार्ग।

पथ पुं. (तत्.) 1. मार्ग, रास्ता, राह 2. आचार-व्यवहार की निश्चित और प्रकाशित रीति, पद्धति, विधान 3. रोगी का हल्का आहार, पथ्य 4. ऐसा द्वार या साधन जहाँ से होकर आगे बढ़ा जा सके या जहाँ से कुछ आगे बढ़ा जा सकता है यथा- अग्निपथ, कर्णपथ, दृष्टिपथ।

पथक पुं. (तत्.) मार्ग, पथ, राह।